पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.01.2020 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) [illegible]क्षक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य महासम्मेलन

में दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पंहुचने का समय व संख्या से शीघ्र सूचित करें जिससे आवास आदि का यथोचित प्रबन्ध किया जा सके— सम्पर्क: 9968079062, 9868664800, 9971467978, 9818530543.

वर्ष-36 अंक-15 पौष-2076 दयानन्दाब्द 196 01 जनवरी से 15 जनवरी 2020 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.01.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने मनाया स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस
नागरिकता संशोधन विधेयक का आर्य समाज ने किया पुरजोर समर्थन

स्वामी श्रद्धानन्द ने सामाजिक समरसता के लिये कार्य किया –सांसद प्रवेश वर्मा

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन नया बाजार को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सांसद प्रवेश वर्मा का अभिनन्दन करते मायाप्रकाश त्यागी, अनिल आर्य, ओम सपरा, यशपाल आर्य व द्वितीय चित्र– स्वामी श्रद्धानन्द जी की पुस्तिका का लोकार्पण करते जगदीश मलिक, सांसद प्रवेश वर्मा, महेन्द्र भाई, मायाप्रकाश त्यागी, प्रि. अन्जु महरोत्रा व अनिल आर्य।

सोमवार, 23 दिसम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में सांसद प्रवेश वर्मा के निवास, 20, विंडसर पैलेस, जनपथ, नई दिल्ली में सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार के संस्थापक, मूर्धन्य आर्य संन्यासी "स्वामी श्रद्वानन्द जी का 93वां बलिदान दिवस" समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में दिल्ली के कौने कौने से सैंकड़ो आर्य प्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ "वैदिक यज्ञ" के साथ हुआ, युवा विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवाया।

समारोह के मुख्य अतिथि सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने सामाजिक समरसता के लिये कार्य किया। वह पहले गैर मुस्लिम व्यक्ति थे जिन्होंने जामा मस्जिद के मिम्बर से वेद मंत्रों के पाठ के साथ हिन्दु मुस्लिम एकता का सन्देश दिया। आज फिर से शुद्वि आन्दोलन चलाने की आवश्यकता है, जिससे जो लोग किसी कारण से विधर्मी बन गये थे,उन्हें वापिस हिन्दू धर्म में लाया जा सके। स्वामी श्रद्धानन्द जी ने शुद्वि आन्दोलन की शुरूआत की ओर घर वापिसी का मार्ग प्रशस्त किया। स्वामी श्रद्वानन्द जी ने गुरूकुलीय शिक्षा प्रणाली को पुनः जीवित किया व समान शिक्षा पद्धति को बढ़ावा दिया,यह सामाजिक समरसता का एक प्रेरक उदाहरण है। स्वामी श्रद्धानन्द ने अग्रेंजी सरकार के विरूद्व रोलेट एक्ट के विरोध में विशाल जुलूस का नेतृत्व किया जहां दिल्ली के चांदनी चौक में हमने उनकी प्रतिमा स्थापित की और श्रद्धानन्द कालेज भी खोला जिससे आने वाली पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सके।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का दिल्ली के नया बाजार स्थित बलिदान भवन जहां स्वामी जी का बलिदान हुआ था, वह जीर्ण क्षीण अवस्था में है और वहां कई किरायेदारों का कब्जा है,हमारी केन्द्र सरकार से मांग है कि उस ऐतिहासिक स्थान को कब्जों से शीघ्र खाली करवा कर उसे "राष्ट्रीय स्मारक" घोषित किया जाये यही स्वामी श्रद्धानन्द को सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि होगी। अनिल आर्य ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज की उल्लेखनीय भूमिका रही और स्वामी श्रद्धानन्द ने अग्रेंजी हकुमत से डट कर लोहा लिया, वह एक निर्भीक संन्यासी और महान कांतिकारी थे,हमें आज उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लेना चाहिये।

श्री मायाप्रकाश त्यागी (कोषाध्यक्ष,सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा) ने कहा कि स्वामी श्रद्वानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेकर देश की एकता और अखण्डता के लिए सब आर्य जन एक जुट हों। आर्य नेता जगदीश मलिक ने समारोह की अध्यक्षता की उन्होंने कहा कि नागरिकता कानून देश के लिये अत्यन्त आवश्यक है, सम्पूर्ण आर्य जगत इसका पुरजोर समर्थन करता है।

वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि महर्षि दयानन्द महान कांतिकारी थे, उन्होंने अपने समय में समाज में व्यापत कुरीतियों के विरूद्ध डट कर लोहा लिया, पाखण्ड अन्धविश्वास के विरूद्ध जनजागरण किया, आज फिर आर्य जनों को समाज में व्यापत बुराईयों, पाखण्ड–अन्धविश्वास के विरूद्ध जनता को सजक करने का अभियान चलाने की आवश्यकता है।

परिषद् के महामंत्री आचार्य महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा, यशपाल आर्य (पार्षद), बहिन गायत्री मीना, प्रवीन आर्या, देवेन्द्र भगत, सुशील बाली, गोपाल आर्य, वेदप्रकाश आर्य, राकेश गुप्ता ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर आर्य नेता राजेश मेहन्दीरता, मनोज मान, महावीरसिंह आर्य, यशोवीर आर्य, ओम सपरा, माधवसिंह आर्य, अमरनाथ बत्रा, विनोद गुप्ता, सुनीता बुग्गा, अनिता कुमार, यज्ञवीर चौहान, विनित आहुजा, के. एल. राणा, ओमवीरसिंह आर्य, अमरसिंह सहरावत, प्रकाशवीर शास्त्री आदि उपस्थित थे। गुरूकुल खेड़ाखुर्द के ब्रह्मचारियों ने वेद पाठ किया। सभी ने प्रस्ताव पारित कर सर्वसम्मति से नागरिकता संशोधन विधेयक का खुलकर समर्थन किया।

सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष मायाप्रकाश त्यागी का स्वागत करते यशपाल आर्य, प्रवीन आर्य, चन्द्रशेखर शर्मा व महेन्द्र भाई।

श्रीराम व श्रीकृष्ण की तरह हमें ईश्वर उपासना सहित आत्म–रक्षार्थ क्षात्र धर्म से युक्त होना है

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

समय परिवर्तनशील होता है। आज जो समय है वह महाभारतकाल से पूर्व नहीं था। तब की देश, काल व परिस्थितियां आज से सर्वथा भिन्न थी। आज का समय एक प्रकार से संक्रमण काल है। हमारा धर्म वैदिक धर्म एवं संस्कृति वैदिक संस्कृति है। यही संसार का आदि काल से प्रचलित धर्म एवं संस्कृति है जिसका आधार ईश्वर व उसका सत्य ज्ञान वेद है। संसार में अनेक मत–मतान्तर प्रचलित हैं। कुछ मत हैं जो सनातन वैदिक धर्म को खण्डित व नष्ट कर अपने अपने मत का प्रचार व प्रसार करने के साथ देश की सत्ता पर अपना कब्जा करना चाहते हैं। इसका अनुमान आठवीं शताब्दी से विदेशी व विधर्मी मतावलम्बियों के आचरण एवं व्यवहार से किया जा सकता है। इसी आधार पर विगत 72 वर्षों में पाकिस्तान व बंगला देश बना है। देश में घटने वाली घटनाओं को देखकर अनुमान होता है कि अब भारत का धार्मिक स्वरूप बदलने के लिये भी भीतर–भीतर प्रयत्न हो रहे हैं। हमारे कुछ राजनीतिक दल सत्ता के लिये ऐसे लोगों का साथ लेते हैं और उनकी देश व समाज के हितों के विरुद्ध बातों को स्वीकार भी करते हैं। इसे समझने के लिये विवेक शील मन, मस्तिष्क व बुद्धि की आवश्यकता होती है।

धर्म व संस्कृतियों के उत्थान व पतन सहित इतिहास से परिचित मनुष्य इन बातों को समझते हैं। महर्षि दयानन्द ने भी इस षडयन्त्र का अपने समय में अनुभव किया था।

हमारे अनेक नेताओं में जिसमें ऋषि दयानन्द के अनुयायी व सनातन मत परम्परा के अनेक क्रान्तिकारी नेता व देशभक्त लोग थे, इन षडयन्त्रों का अनुभव करते थे। हमने महर्षि दयानन्द के विचारों के अनुरूप सुदृण आर्य–हिन्दू संगठन एवं शुद्धि के काम की उपेक्षा की थी जिसका परिणाम ही पाकिस्तान एवं बंगलादेश का हमसे पृथक होना था। आज भी धीरे–धीरे देश उसी ओर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। आज स्थिति यह आ गई है कि अन्य देशों में अत्याचारों से पीड़ित आर्य व हिन्दुओं के हित के लिये केन्द्र सरकार कोई हितकारी काम करती है तो हमारे देश के आर्य व हिन्दुओं से इतर मत–पन्थ–सम्प्रदाय सहित कुछ विपक्षी राजनीतिक दल भी उसका खुल कर विरोध करते हैं और देश की सम्पत्ति को हानि पहुंचाने वालों से सहानुभूति रखते हैं। उनका खुल कर एक स्वर से विरोध नहीं किया जाता। इनके पीछे विदेशी व देश के ऐसे लोग जो आर्य व हिन्दुओं के धर्म व संस्कृति को पसन्द नहीं करते, उनका धर्मान्तरण करते हैं व ऐसा जिनका इतिहास है, वह तत्व काम करते हुए प्रतीत होते हैं। सरकार इन सब बातों को जानती है परन्तु वह व्यवस्था की मजबूरियों के कारण विवश दिखाई देती है। ऐसी स्थिति में केन्द्र की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का जम्मू–कश्मीर राज्य को भारत का अन्य राज्यों की भांति अंग बनाना, सीएए और एनआरसी जैसे राष्ट्रहित के मुद्दों पर जो देशहित के अनुरूप निर्णय लिये हैं उसके लिये इतिहास में सदैव उनकी प्रशंसा होगी, ऐसा निश्चय से कहा जा सकता है। देशवासियों का कर्तव्य है कि उन्हें देशहित के अच्छे कार्य करने के लिये भारत सरकार का साथ देना चाहिये जिससे विरोधियों के देश विरोधी व आर्य–वेद–सत्य–धर्म के विरुद्ध गुप्त व लुप्त षडयन्त्र सफल न होने पायें।

देश के सभी आर्य–हिन्दू ईश्वर व ऋषियों सहित राम, कृष्ण, शंकराचार्य व दयानन्द जैसे पराक्रमी व सत्य मार्ग पर चलने वाले महापुरुषों की सन्तानें हैं। उनका कर्तव्य है कि वह अपने पूर्वजों के अनुरूप अपने जीवन को बनायें। राम तथा कृष्ण ने अपने समय में देश व समाज में प्रचलित अन्याय, शोषण व अत्याचारों के विरुद्ध उन्हें कुचलने का काम किया था। उन्होंने साधुओं व सज्जन पुरुषों की रक्षा तथा दुष्टों व दुराचारियों का दमन व पराभव किया था। राम, कृष्ण तथा दयानन्द का जीवन और चरित्र विश्व में निश्कलंक एवं देश व समाज को समर्पित था। वह धार्मिक, आस्तिक, ईश्वरभक्त तथा वेद एवं वैदिक धर्म के अनन्य प्रेमी एवं उसके रक्षक एवं प्रचारक थे। राम व कृष्ण ने क्षात्र धर्म को धारण किया था जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण बाल्मीक रामायण तथा महाभारत में वर्णित श्री राम व श्री कृष्ण जी के जीवन व कार्यों से मिलता है। ऋषि दयानन्द जी कम आयु में ही संन्यासी हो गये थे। वह वैदिक मत को मानने वाले गुण–कर्म–स्वभाव से युक्त ब्रह्मज्ञानी, दिव्य कर्मों व आचरणों से युक्त ब्राह्मण थे। ऋषि दयानन्द सच्चे ब्राह्मण होकर दूसरों से अन्न प्राप्त करते थे और उनकी रक्षा व उन्नति के लिये उनको ईश्वर व वेदों में प्राप्त दिव्य प्रेरणायें व मार्गदर्शन मानवमात्र को प्रदान करते हैं। उनका कार्य भी राम व कृष्ण जी के कार्यों का पूरक था।देश के अस्सी प्रतिशत हिन्दुओं व आर्यों के आदर्श एवं प्रेरक महान पुरुष श्री राम व श्री कृष्ण ही हैं। कोई साधारण योग्यता का मनुष्य उनका स्थान नहीं ले सकता। हिन्दुओं व आर्यो को वर्तमान समय में सबसे अधिक आवश्यकता परस्पर संगठित होने की हैं। जब राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिये बेमेल गठजोड़ कर सकते हैं तो हिन्दू व आर्यो में गठजोड़ व सहयोग क्यों नहीं हो सकता? संगठन में ही बल होता है। यदि हम संगठित होंगे तो कोई भी शक्ति हमें किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुंचा सकती। हमें अतीत में जो जो हानिया हुई हैं वह सब हमारे वेदों से दूर होने सहित असंगठित एवं अज्ञान व अन्धविश्वासों से ग्रस्त होने के कारण हुई हैं। हम यह अनुभव करते हैं कि हमारे सभी पण्डित व पुजारियों को भी अपने कर्तव्य को समझते हुए सभी श्री राम और श्री कृष्ण की सन्ततियों को देश व धर्म के लिये संगठित होने तथा वैदिक धर्म एवं संस्कृति को किसी प्रकार से भी हानि पहुंचाने वालों के साथ यथायोग्य व्यवहार करने की शिक्षा देनी चाहिये। कोरी भक्ति, पूजा, धनोपार्जन व दान प्राप्ति से काम नहीं चलने वाला है। इससे धर्म एवं संस्कृति की रक्षा न पहले हुई है न अब होगी। यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन आ सकते हैं कि जब हम सदा–सदा के लिये या तो अपने धर्म से हाथ धो बैठेंगे अथवा हमारा अस्तित्व मिटा दिया जायेगा। ऐसा पहले भी हुआ है। इसके बावजूद अपने आर्य–हिन्दू पूर्वजों के संघर्ष से हम बचे रहे हैं। अब स्थिति ऐसी आ रही है कि हमारी संख्या निरन्तर घट रही है और अन्य मतों की बढ़ रही है। उनका अतीत का हमारे पूर्वजो के प्रति व्यवहार हमें विदित है। उनके स्वभाव व प्रकृति में परिवर्तन नहीं आया है। वह सुनियोजित रूप से, साम–दाम–दण्ड–भेद की नीति से उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। अतः हमें न केवल सावधान रहना है अपितु अपने अस्तित्व व धर्म एवं संस्कृति की सुरक्षा के सभी उचित उपाय करने हैं। जिस प्रकार भावी रोगों से बचने के लिये हमें व्यायाम, अच्छा भोजन एवं स्वास्थ्य के नियमों का पालन करना होता है, उसी प्रकार से हमें वर्तमान में भी करना है।

आर्यसमाज के कुछ नेता भी इस कार्य में बाधक दिखाई देते हैं जो अपने पद, प्रतिष्ठा आदि तुच्छ अधिकारों के लिये आपस में लड़ते हैं जिससे आर्यसमाज एक शक्ति–हीन संस्था बन कर रह गई है। कभी–कभी ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई विदेशी व देशी वैदिक धर्म व संस्कृति विरोधी साम्प्रदायिक व राजनीतिक शक्तियां इस कार्य को करा रही हैं। यदि ऐसा नहीं है तो क्या कारण है कि एक ही एक विचारधारा व एक सिद्धान्त, एक ईश्वर, एक धर्म पुस्तक और एक सर्वमान्य महापुरुष ऋषि दयानन्द को मानने वाले लोग परस्पर संगठित नहीं हो पा रहे हैं? इस बात पर विचार व मन्थन किया जाना आवश्यक है। हमें नहीं लगता कि कोई आर्य इस बात को स्वीकार करेगा कि वह आर्यसमाज का नेतृत्व करने के लिए ही उत्पन्न हुआ है और यही उसका उद्देश्य है। हमारा जन्म धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की प्राप्ति के लिये हुआ है न कि आर्यसमाज का प्रधान व मंत्री बनने व नेता बनने के लिये। निश्चय ही ईश्वर को जानना और उपासना आदि साधनों से उसे प्राप्त करना सभी मनुष्यों का मुख्य उद्देश्य है। पदों का अधिकार को समाज की सेवा के लिये प्राप्त किया जाता है। इसमें परस्पर मनमुटाव व संघर्ष की आवश्यकता है ही नहीं। योग्यतम व्यक्ति का चुनाव किया जाना चाहिये। यही आर्यसमाज का सिद्धान्त एवं परम्परा है। आर्य नेताओं को अपने मन को टटोलना चाहिये और यह भी देखना चाहिये कि क्या वह किसी योग्य पुरुष के अधिकारों का हनन तो नहीं कर रहे हैं। यदि सभी नेता ऐसा सोचेंगे और त्याग भाव का परिचय देंगे तो समस्या कुछ कम होकर हल भी हो सकती है। सभी आर्य ज्ञानवान व समझदार होते हैं। अतः हमें स्वयं ही इसका समाधान खोजना चाहिये। हां, कुछ एक दो व्यक्ति हो सकते हैं जिनके अनुयायी ऐसा नहीं होने देंगे। ऐसा होने पर भी यदि शेष लोगों का सुदृण संगठन बन जाता है तो दूसरे विरोधी अयोग्य लोग स्वयं ही आर्यसमाज से दूर हो जायेंगे। इस ओर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है और जो बाधक तत्व हैं, उनका बहिष्कार किये जाने की आवश्यकता है। यही आर्यसमाज को स्वस्थ एवं शक्तिशाली करने की औषधि है।

हमें लगता है कि आर्यसमाज के सत्संगों में अन्य विषयों सहित देश की धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक स्थिति पर चर्चा होनी चाहिये। इन स्थितियों से आर्य व हिन्दू समाज पर क्या प्रभाव हो रहा है व इसके भविष्य में क्या परिणाम हो सकते हैं, इस पर भी विद्वानों को प्रत्येक सत्संग में चर्चा करनी चाहिये। हमें इस पर भी चिन्तन करना चाहिये कि कैसे सन् 1947 में देश का बटवारा हुआ और पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ क्या–2 घटित हुआ। उसकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिये हमें तत्पर होना है। यदि हम सजग व सावधान नहीं होंगे तो अचानक मुसीबत आने पर हम अपनी, अपने परिवार व समाज सहित देश व समाज की रक्षा नहीं कर पायेंगे। सभी हिन्दुओं के संगठनों को भी सावधान व सजग रहना चाहिये। उन्हें मिथ्या पूजा व अर्चना को कम करके देश व समाज का हित करने सहित सभी ईश्वर व वैदिक धर्म के मानने वालों की रक्षा के उपाय करने चाहिये। अपनी रक्षा का समस्त भार सरकार पर छोड़ कर निश्चिन्त हो जाने से हम सुरक्षित नहीं रह सकते। सरकारें बदलती रहती हैं। ऐसा भी हो सकता है देश में ऐसी सरकार आ जाये जो हमारी रक्षा करने के स्थान पर हमारा अहित करने वाली हो। ऐसे स्थिति में हमारा सुदृण संगठन ही हमें बचा सकता है। हमने देश में वर्तमान में जो चल रहा है, उस की पृष्ठभूमि व परिणामों पर विचार कर कुछ विचार लिखे हैं। देश में बड़े–बड़े विद्वान, विचारक, सगठन एवं उनके नेता हैं। हमें वैदिक धर्म और आर्य–हिन्दू संस्कृति के सच्चे हितैषियों के हितकारी सुझाव पर ध्यान देना तथा उन्हें अपनाना है। देश की सरकार के सभी हितकारी निर्णयों में हमें सरकार का साथ देना है। आर्यसमाज के दसवें नियम के अनुसार उनका पालन करना है। नियम है 'सब मनुष्यों को सामाजिक सर्वहितकारी नियम पालने में परतन्त्र रहना चाहिए और प्रत्येक हितकारी नियम (के पालन) में सब स्वतन्त्र रहें।

—196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः 9412985121

फाईनल तैयारी बैठक निमंत्रण

आर्य महासम्मेलन विशाखा एनक्लेव की फाईनल तैयारी हेतु विशेष बैठक **रविवार 19 जनवरी 2020 को दोपहर 3.00 बजे आर्य समाज संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली** में बुलाई गई है। कृपया सभी साथी समय पर पहुंच कर सहयोग प्रदान करें। कृपया एकत्रित दान राशि, कूपन, रसीद बुक, राशन आदि साथ लेते आये। दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बंधु शीघ्र सूचित करें जिससे आवास बिस्तरों आदि का यथोचित प्रबंध किया जा सके।

आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ

अनिल आर्य, मुख्य संयोजक

सम्पर्कः 9810117464, 9868051444

निवासः 011.42133624

कृपया फोन न मिलने पर एस एम एस कर दे।

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. स्वामी सूर्यदेव जी (बटिन्डा,पंजाब) का निधन।
2. चौ.लक्ष्मी चन्द आर्य (आर्य समाज,दीवान हाल,दिल्ली) का निधन।
3. श्री अश्वेन्द्र कुमार(भ्राता संगीता चौधरी,पीतमपुरा) का निधन।
4. श्री रतिराम शर्मा (सिलीगुड़ी) का निधन।
5. आचार्य सत्यानन्द जी वेद वागीश का निधन।
6. श्री कृष्णकुमार मेहन्दीरता(आर्य समाज,दिलशाद गार्डन) का निधन।
7. आर्य दानवीर राव हरिशचन्द आर्य (नागपुर) का निधन।
8. श्री सोमदत महाजन व श्री योगराज मदान (सी ब्लाक,जनकपुरी) का निधन।
9. श्री फूलसिंह आर्य (आर्य समाज,मंगोलपुरी) का निधन।

आर्य समाज, सैक्टर-33 नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

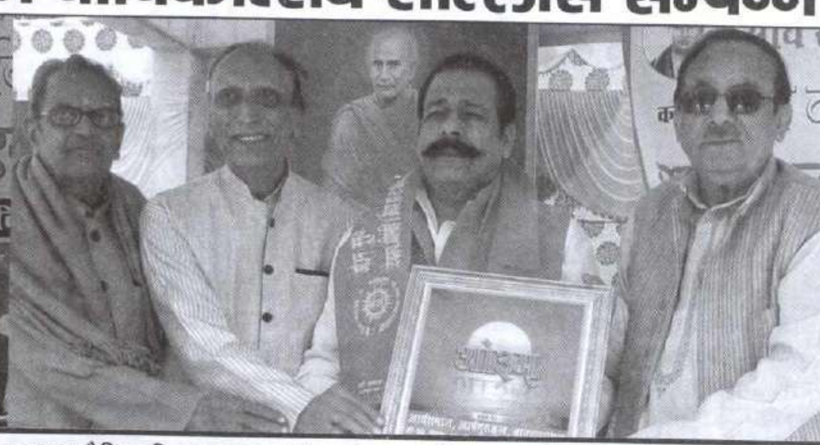

रविवार, 15 दिसम्बर 2019, आर्य समाज,सैक्टर-33,नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। वैदिक विद्वान डा. महावीर जी, डा. शशिप्रभा कुमार, डा. महेश विद्यालंकार, डा. वीरपाल विद्यालंकार आदि के उद्‌बोधन हुए। उपरोक्त चित्र- ऐमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनन्द चौहान सम्बोधित करते हुए, मंच पर बांये से अनिल आर्य, चौ. लाजपतराय आर्य(करनाल), डा. आनन्द कुमार, धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र-परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनन्दन करते रविन्द्र सेठ, प्रेमकुमार सचदेवा व जीवनलाल आर्य। बहिन गायत्री मीना, मनोहरलाल सरदाना, कै. अशोक गुलाटी, जितेन्द्र आर्य आदि अतिथियों का स्वागत कर रहे थे। कुशल संचालन डा.जयेन्द्र आचार्य ने किया।

गाजियाबाद श्रद्धानन्द बलिदान दिवस में ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य का अभिनन्दन

रविवार, 29 दिसम्बर 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला गाजियाबाद के तत्वावधान में शम्भु दयाल संन्यास आश्रम, दयानन्द नगर, गाजियाबाद में "स्वामी श्रद्धानन्द व्यक्तित्व व कृतित्व" पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री श्रद्धानन्द शर्मा, मायाप्रकाश त्यागी, डा. वीरपाल विद्यालंकार, सत्यवीर चौधरी, प्रवीन आर्या, प्रमोद चौधरी आदि ने स्वामी श्रद्धानन्द के जीवन पर प्रकाश डाला। चित्र में-आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के नवनिर्वाचित महामंत्री श्री ज्ञानेन्द्रसिंह आर्य का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,स्वामी चन्द्रवेश जी, डा. वीरपाल विद्यालंकार, सत्यवीर चौधरी, सत्यपाल आर्य, रामकुमार आर्य, यज्ञवीर चौहान व संयोजक प्रवीन आर्य। द्वितीय चित्र-मंच पर ज्ञानेन्द्रसिंह आर्य,स्वामी चन्द्रवेश जी,अनिल आर्य व सत्यवीर चौधरी। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कुशल संचालन किया व जिला मंत्री सुरेश आर्य ने आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज, कालकाजी में बैठक व आर्य समाज, अमर कालोनी का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 15 दिसम्बर 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला दक्षिण दिल्ली की आर्य महासम्मेलन तैयारी बैठक आर्य समाज,कालकाजी, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई । चित्र में-समाज के प्रधान श्री रामचन्द कपूर का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,महामंत्री रमेश गाडी, संरक्षक राकेश भटनागर, वी.के.रैल्ली व प्रवीन आर्या। द्वितीय चित्र-आर्य समाज,अमर कालोनी,नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। प्रधान श्री जितेन्द्र डावर का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,स्वामी विश्वंग जी(अजमेर), प्रि.अन्जु महरोत्रा,अन्जु बजाज, अर्चना पुष्करना, अनु गुप्ता, सुनीता रसोत्रा, रचना आहुजा, महेन्द्र भाई व प्रवीन आर्या।

आर्य समाज, मॉडल टाउन, सोनीपत में बैठक व आर्य समाज, देव नगर का उत्सव सम्पन्न

शनिवार, 28 दिसम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला सोनीपत की बैठक आर्य समाज, मॉडल टाउन, सोनीपत में सम्पन्न हुई। चित्र में-श्री गुलशनलाल निझावन का स्वागत करते अनिल आर्य, प्रधान अर्जुनदेव दुर्रेजा, प्रवीन आर्या, रामकुमार आर्य, हरबंसलाल अरोड़ा व संयोजक हरिचन्द स्नेही। जिला अध्यक्ष सूर्यदेव शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र-आर्य समाज, देव नगर, करोल बाग, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर अनिल आर्य का स्वागत करते प्रधान सुशील बाली,मंत्री रमेश बेदी,राकेश बेदी,प्रवीन आर्या आदि ।

ऋषि जन्म स्थान टंकारा चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से **17 फरवरी से 19 फरवरी 2020 तक**

हवाई जहाज द्वारा यात्रा ए.सी कमरों में निवास, थ्री टायर ए.सी व साधारण रेल द्वारा तीन प्रकार के यात्रा कार्यक्रम बनाये गए है, विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक सम्पर्क करें-

देवेन्द्र भगत-9958889970 व अशोक बुद्दिराजा-9868168680.

आर्य समाज, सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली में वैदिक सत्संग व बैठक सम्पन्न

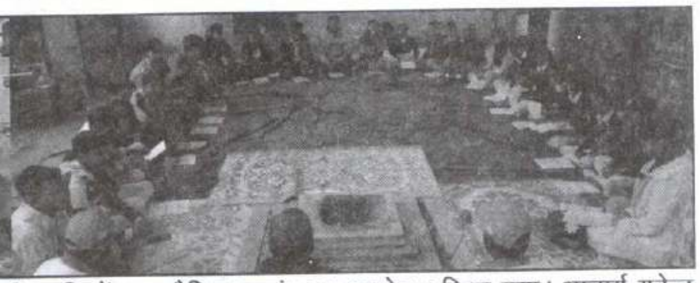

रविवार, 22 दिसम्बर 2019,आर्य समाज, सूर्य निकेतन,विकास मार्ग,दिल्ली में माता सुशीला–हरिदेव आर्य की स्मृति में भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री के प्रेरक प्रवचन हुए। प्रवीन आर्या,सरोज भाटिया,शिशुपाल आर्य,चिक्कीं,अनिता के मधुर भजन हुए। विकास शास्त्री ने यज्ञ करवाया। मंच पर मुख्य अतिथि अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए व बांये से महेन्द्र भाई,प्रवीन आर्य,डा.वीरपाल विद्यालंकार,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री व समारोह अध्यक्ष बहिन गायत्री मीना। प्रधान यशोवीर आर्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र–प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के संयोजन में कार्यकर्ता बैठक का सुन्दर द्रश्य।

आर्य समाज, सैक्टर–13, करनाल में बैठक सम्पन्न व चौ. लक्ष्मीचन्द को दी श्रद्धांजलि

शनिवार, 28 दिसम्बर 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा की प्रान्तीय बैठक आर्य समाज,सैक्टर–13, करनाल में सोल्लास सम्पन्न हुई। चित्र में–आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान श्री आनन्दसिंह आर्य का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,स्वामी सच्चिदानन्द जी, सत्येन्द्रमोहन कुमार, प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा, समाज के प्रधान शान्तिप्रकाश आर्य व रामकुमार आर्य। जिला अध्यक्ष अजय आर्य व मंत्री रोशन आर्य ने व्यवस्था सम्माली। द्वितीय चित्र–आर्य समाज दीवान हाल, दिल्ली के कर्मठ प्रबन्धक रहे चौ. लक्ष्मीचन्द आर्य की श्रद्धाजंलि सभा ग्राम कचेरा, जिला दादरी, उ.प्र. में सम्पन्न हुई। चित्र में सांसद डा.महेश शर्मा, विधायक पंकजसिंह (सुपुत्र श्री राजनाथसिंह) व अनिल आर्य। सांसद साक्षी महराज ने भी श्रद्धाजंलि दी व श्री आनन्द चौहान ने भी आर्य समाज का कर्मठ हनुमान बताया।

आर्य समाज,विशाखा एनक्लेव व आर्य समाज,वेद मन्दिर,पीतमपुरा का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 15 दिसम्बर 2019, आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–मंत्री ओमप्रकाश गुप्ता के साथ अनिल आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता, प्रवीन आर्या, इन्दु मेहता आदि। प्रधान डा. धर्मवीर आर्य ने आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, वेद मन्दिर, पीतमपुरा, दिल्ली में अनिल आर्य का स्वागत करते मंत्री सोहनलाल आर्य आदि।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 41 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में
स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी के सानिध्य में
डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में
वायु प्रदुषण व पर्यावरण की शुद्धि के लिए

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 31 जनवरी व 1, 2 फरवरी 2020 (शुक्र, शनि व रविवार)

समारोह स्थानः रामलीला मैदान,पी.यू ब्लाक,विशाखा एनक्लेव,पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन कोहाट एनक्लेव)

राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा : शनिवार 1 फरवरी 2020, प्रातः 10.30 बजे

शुक्रवार 31 जनवरी, 2020

101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.00
आर्य नारी शक्ति सम्मेलन	: प्रातः 11.00 से 2.00
आर्य युवा शक्ति सम्मेलन	: दोपहर 2.00 से 5.00
व्यायाम प्रदर्शन	: सायं 5.00 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

शनिवार 1 फरवरी, 2020

यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 9.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 10.00 बजे
राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा	: प्रातः10.30 से 1.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
सामूहिक संध्या	: सायं 5.30 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

रविवार 2 फरवरी, 2020

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 4.00 तक

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सायं 4 से 6 बजे तक

कार्यकर्ता सम्मान – धन्यवाद	: सायं 6.00 से 6.30
शांतिपाठ समापन	

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970